Rupali chouby

(1)

भारत का नं. 1 संस्थान
कौटिल्य एकेडमी
सफलता का प्रवेश द्वार...

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

प्रश्न संख्या: Q1

कोरोना महामारी और भारतीय अर्थव्यवस्था

इस संदर्भ को समझने के लिए एक कहानी लेते है "कोरोना महामारी के दौरान एक गरीब परिवार जो अपनी छोटी सी दुकान रोड किनारे लगाता है अचानक महामारी के प्रकोप को देखते हुए सरकार द्वारा संपूर्ण लॉकडाउन की घोषणा की जाती जिससे उस परिवार का रोजगार छिन जाता व उसके समक्ष रोजीरोटी का संकट, रहने की समस्या व महामारी से ग्रसित होने का डर आदि समस्याओं का सामना करता है यह स्थिति एक परिवार की न होकर अनेक परिवार कि होती जिससे अर्थव्यवस्था में मांग-आपूर्ति का असंतुलन हो जाता है व मंदी की स्थिति आ जाती है"

अतः हम भी इस प्रकार से कोरोना महामारी व अर्थव्यवस्था को जोड़ सकते है अतः अब हम कोरोना महामारी को विस्तृत होकर समझते है -

कोरोना महामारी

- क्या है
- लक्षण
- संक्रमण
- बचाव

भारत का नं. 1 संस्थान
कौटिल्य एकेडमी
सफलता का प्रवेश द्वार...

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

कोरोनामहामारी क्या => यह एक वायरस जनित बीमारी है जिसका संक्रमण वुहान (चीन) से प्रारंभ हुआ व संपूर्ण विश्व को अपने चपेट में ले लिया तथा WHO द्वारा इसे कोविड-19 नाम दिया

लक्षण => जुकाम, खांसी, बुखार, सांस लेने में तकलीफ
- स्वाद व सूंघने क्षमता न चलना
-

संक्रमण - इसका संक्रमण मनुष्य से मनुष्य में ड्रापलेट के माध्यम से होता

बचाव => इसकी दवाई व टीका बाजार में उपलब्ध नहीं है के कारण सुरक्षा ही बचाव है इसके अंतर्गत - सोशल डिस्टेंस, मास्क, बार-बार हाथ धोना शामिल है
- इसके अतिरिक्त संक्रमण की दर कम करने के लिए लॉकडाउन का भी प्रयोग है। लाग किया गया है

-

इस तरह इस कोरोना महामारी संपूर्ण विश्व के लिए सबसे बड़ी चुनौती बनकर

कौटिल्य एकेडमी
सफलता का प्रवेश द्वार...

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

आई- है जिसने सम्पूर्ण विश्व की अर्थव्यवस्था को मंदी में डाल दिया व सारे देशों की सरकार का ध्यान लोगो की जान बचाने व चिकित्सा व्यवस्था को दुरुस्त करने में लगा हुआ है इससे भारत भी अछूता नही है।

कोरोना महामारी के भारतीय अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाले प्रभाव को निम्न रूप से देखा जा सकता है

भारतीय अर्थव्यवस्था

- प्राथमिक क्षेत्र
  - कृषि
  - मत्स्यकी
- द्वितीयक क्षेत्र
  - विनिर्माण
  - उद्योग धंधे आदि
- तृतीयक क्षेत्र
  - सेवाक्षेत्र जैसे
    - परिवहन
    - पर्यटन
    - होटल
    - बीमा
    - बैंक आदि

अतः अब हम इस महामारी होने से भारतीय अर्थव्यवस्था में (क्षेत्रों) होने वाले नकारात्मक

व नकारात्मक प्रभावों पर नजर डालते हैं

सकारात्मक प्रभाव =>

- इसके अंतर्गत उन क्षेत्रों को लिया जा सकता है जिसमें वृद्धि व नये अवसर मिलें
- कृषि क्षेत्र में हानि नहीं हुई बल्कि 2020-21 Q_1 के रि आर्थिक वृद्धि में इसकी दर +3.4% थी

- सेवा क्षेत्र — चिकित्सा क्षेत्र में वृद्धि दिखाई
- औद्योगिक - फार्मा, इण्डस्ट्री में भी ग्रोथ किया
  - वेंटिलेटर मास्क बनाने वाली कंपनी को लाभ हुआ तथा अन्य देश निर्यात की स्थिति में भी आगई
- स्वच्छता संबंधी वस्तुओं जैसे सेनेटाइजर, हैंड वाश आदि के उत्पादन में वृद्धि
- खाद्य पदार्थों व पेय पदार्थों में पोषण तत्वों की मात्रा में वृद्धि इसकी मांग बढ़ी
-

नकारात्मक प्रभाव =>

- उद्योगों में निवेश में कमी विनिर्माण उद्योग में नकारात्मक वृद्धि
- MSME सेक्टर पर मंदी, बंद की स्थिति

भारत का नं. 1 संस्थान
कौटिल्य एकेडमी
सफलता का प्रवेश द्वार...

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

प्रश्न संख्या

अर्थव्यवस्था में सुधार के प्रयास

- सरकार
- RBI बैंकिंग
- अन्य प्रयास

सरकारी प्रयास ⇒ 20 लाख करोड़ का राहत पैकेज जो GDP का 10% है

- नवंबर तक मुफ्त अनाज की व्यवस्था
- स्वयं सहायता समूह की ऋण राशि 10 लाख से 20 लाख
- महिलाओं के जन-धन खाते में तीन महीने में 1500 का योगदान
- MSME सेक्टर 3 लाख करोड़ लोन कर्ज की जमा सीमा प्रदान
- वोकल फॉर लोकल पर फोकस के लिए MSME सेक्टर में 200 करोड़ रुपये तक की सरकारी खरीद में ग्लोबल टेंडर की अनुमति नहीं आदि

केंद्रीय बैंकिंग प्रयास ⇒ रेपो रेट व रिवर्स रेपो रेट में कमी

⇒ इससे बैंक लोगों को सस्ती दरों पर लोन दे सकेंगे।

भारत का नं. 1 संस्थान
कौटिल्य एकेडमी
सफलता का प्रवेश द्वार..

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

प्रश्न संख्या

अन्य प्रयास – आत्मनिर्भर भारत को प्रोत्साहन

रक्षा क्षेत्र में स्वदेशी पर बल दिया

जहाँ एक ओर सरकार व केंद्रीय बैंक ने बाजार में लिक्विडिटी बढ़ा रहे वहीं इससे मुद्रास्फीति की समस्या भी पैदा हो सकती है अर्थात भारत को दोहरी चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। इसके अतिरिक्त अन्य क्षेत्रों में भी सुधार करना चाहिए

- तकनीकी को प्रोत्साहन
- रिसर्च एवं डेवलपमेंट अधिक निवेश
- कौशल विकास
- लोगों को स्वरोजगार के लिए प्रेरित
- प्रतिभा पलायन को रोकने का प्रयास जिससे वे देश के विकास में भागीदार बने
- शिक्षा में सुधार ताकि पढ़े लिखे बेरोजगार की समस्या हल हो सके, व्यवसाय परक शिक्षा
- स्वदेशी वस्तुओं को प्रोत्साहन
- जनसंख्या नियंत्रण
- चिकित्सा सेवाओं को मजबूत बनाना
- योगा, आयुर्वेद को विशेष बल आदि

इस प्रकार कोरोना महामारी ने भारत की संपूर्ण अर्थव्यवस्था को हिला कर

भारत का नं. 1 संस्थान
कौटिल्य एकेडमी
सफलता का प्रवेश द्वार...

प्रश्न संख्या

रख दिया है किंतु हम यही नहीं रुक सकते अतः हमें अपनी आर्थिक गतिविधियों में नवीन सुधारों को अपनाकर आगे बढ़ना है व आत्मनिर्भर भारत का सपना जो हमने आज देखा है वह पूरा करना जिससे आगे आने वाले समय में अगर महामारी का सामना का करना पड़े तो हम पहले से तैयार रहे व अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान कर सकें।

निबं 2

इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और समाज
पर प्रभाव

जिम मॉरिसन द्वारा कहा गया कथन "जो मीडिया को नियंत्रित करता वह लोगों के दिमाग को नियंत्रित करता है"

इस कथन से मीडिया की भूमिका को समझा जा सकता है लोकतांत्रिक देशों में विधायिका कार्यपालिका व न्यायपालिका के क्रियाकलापों पर नजर रखने के लिए मीडिया को चौथे स्तंभ के रूप में जाना जाता है मीडिया में प्रिंट मीडिया व इलेक्ट्रानिक मीडिया शामिल व इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के अंतर्गत रेडियो, टेलीविजन, इंटरनेट आदि आते है जो एक माध्यम का कार्य कर लोगों की समस्याओं को सरकार तक पहुँचाना व सरकार की कार्यों को लोगो तक पहुंचाना होता हैं।

इलेक्ट्रॉनिक मीडिया दोहरी भूमिका निभा रहा जहाँ एक ओर यह समाज को आर्थिक, राजनैतिक, सांस्कृतिक रूप से सशक्त बनाता वही दूसरी ओर यह समाज में नकारात्मक गतिविधियां जैसे द्वेष, दंगे आदि के लिए जिम्मेदार होता है अतः हम इसके

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet).
कौटिल्य एकेडमी
सफलता का प्रवेश द्वार...
प्रश्न संख्या

प्रभावों को दो रूपों में देख सकते है

सकारात्मक प्रभाव =)

- जनता को राजनैतिक, सामाजिक रूप से जागरूक करने में।
- भ्रष्टाचार को उजागर करने में।
- जनता की समस्याओं व मुद्दों को उजागर करने अहम भूमिका निभाता।
- वहीं सरकार की योजना को जनता के बीच प्रचारित करता है।
- ज्ञान अर्जन में।
- वर्तमान में कोरोना महामारी के प्रति लोगों मे जागरूकता बढ़ाने में इलेक्ट्रॉनिक मीडिया ने महत्वपूर्ण भूमिका अदा की है।
- देश-विदेश की जानकारी कुछ मिनट में लोगो तक पहुँच जाती है
- सांस्कृतिक एकता व राष्ट्रीय एकता बढ़ाने में सहायक
- वर्तमान में चाहे पाकिस्तान या चीन हो देश के लोगों में देशभक्ति की भावना जगाने में सहायक।

जहाँ इसके समाज पर सकारात्मक प्रभाव वहीं नकारात्मक प्रभाव भी है जो इस प्रकार है –

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

भारत का नं. 1 संस्थान
कौटिल्य एकेडमी
सफलता का प्रवेश द्वार...

प्रश्न संख्या

नकारात्मक प्रभाव :-

- व्यक्तिगत या संस्थागत निहित स्वार्थों के लिए यलो जर्नलिज्म को अपनाना
- चटपटी खबरों को तवज्जो देना (कोरोना समय)
- खबरों को तोड़-मरोड़कर जनता के समक्ष प्रस्तुत करना जिससे समाज द्वेष व सांप्रदायिकता जैसी स्थिति पैदा होती।
- भय व लालच में आकर सत्तारूढ़ दल की चापलूसी करना

उपरोक्त को देखते हुए यद्यपि हमारे देश में संविधान के अनु. 19(1) में अभिव्यक्ति की आजादी की बात कही गई इसमें इलेक्ट्रॉनिक मीडिया भी सम्मिलित है किंतु मीडिया को भी अपने नैतिक उत्तरदायित्व का पालन करते हुए जन हित में कार्य करना चाहिए. अतः हम मीडिया पर किसी प्रकार का प्रतिबंध नहीं लगा सकते न ही लगाना चाहिए लेकिन मीडिया को भी यह समझना आवश्यक है कि ऐसी खबरों का प्रसारण न करें जिससे देश की एकता-अखण्डता व संप्रभुता खतरे में पड़े।

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

प्रश्न संख्या: Q 3

लोक प्रशासन और राजनीति

लोक प्रशासन व राजनीति एक ही सिक्के के दो पहलू है जिसी देश की कुशलता पूर्वक संचालन के लिए लोकप्रशासन, सरकार के बिना व सरकार लोकप्रशासन के बिना कार्य नही कर सकती है। लोकतांत्रिक देशो में दोनो का मेल मिलाप होना आवश्यक है। व सरकार का गठन राजनैतिक दलो के माध्यम से होता है व प्रशासको की नियुक्ति लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित प्रतियोगी परीक्षाओं के माध्यम से होती है।

अत: हम लोकप्रशासन व राजनीति को इस प्रकार से समझ सकते है -

"लोक प्रशासन सरकार के व्यवस्थापिका अंग द्वारा घोषित और न्यायपालिका द्वारा निर्मित कानून को प्रशासित करने का तंत्र है"

चूंकि लोकतांत्रिक देशों में राजनैतिक दलों के द्वारा चुनाव के माध्यम से हर पाँच वर्ष में सरकार का गठन होता है जिसका कार्य -

- जनहित व लोककल्याणकारी राज्य की स्थापना
- नीतियों का निर्माण
- आपदा व महामारी के समय राहत पैकेज आदि
- सुशासन की स्थापना आदि

किंतु इन कार्यों का संपादन व नीतियों को धरातल पर उतारने के लिए लोक प्रशासन की अहम भूमिका होती है जिनका सीधा संबंध जनता से होता है।

उदा. के रूप में कोरोना महामारी के समय सरकार का निर्णय लॉकडाउन, राशन वितरण आदि लोक प्रशासकों द्वारा ही संचालित किए गए हैं।

किंतु समय-2 पर दोनों के बीच कुछ नकारात्मक तत्व भी विद्यमान हैं जो इस प्रकार है -

- प्रशासनिक अधिकारियों व राजनेताओं के बीच सांठगांठ
- बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार
- व्यक्तिगत हित को वरीयता देना
- जनहित कार्यों के प्रति उदासीनता
- अपने आप को मालिक के रूप में देखना आदि

इन कार्यों से सरकार के उद्देश्यों लोककल्याणकारी राज्य व सुशासन की स्थापना पर प्रश्न चिन्ह लग गया है।

इस तरह हम दोनों के मध्य के सकारात्मक व नकारात्मक प्रभावों को देखते

PTO

है अतः एक प्रशासनिक अधिकारी व राजनेता में सत्यनिष्ठा, पदीयकर्तव्यों का पालन, कमजोर वर्गों के प्रति संवेदना, तटस्थता, ईमानदारी पारदर्शिता आदि जैसे मूल्यों का होना आवश्यक है तभी वह जन हित, सामाजिक न्याय, औ सुशासन की स्थापना कर सकते हैं साथ ही वर्तमान व भविष्य में आने वाली नवीन चुनौतियों का क्षमता पूर्वक पालन (सामना) कर सकते है व देश को एक नए मुकाम तक पहुँचा सकते हैं अतः किसी देश का सामाजिक, आर्थिक विकास लोगो के कार्यों से ही संभव है जिससे गांधी जी के 'रामराज्य' की संकल्पना को साकारित होगी।